## अभ्यास

Q. कविता एक ओर जग - जीवन का भार लिए घुमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ - विपरीत से लगते इन कथनों का क्या आशय है ?

उत्तर :- प्रस्तुत कविता में कवि एक ओर जग - जीवन का भार लिए घूमने की बात कहते हैं क्योंकि संसार के सुधार का दायित्व साहित्यकार के कंधों पर ही

होता है, किंतु दूसरी ओर कवि संसार के लोगों का ध्यान न रखने की बात भी कहते हैं क्योंकि साहित्यकार को ~~कैसों स्वर ही होता है~~, किंतु साहित्य रचना का भार वहन करना पड़ता है। उसका साहित्य संसार के कल्याण हेतु उपादेय होना चाहिए। आलोचकों की परवाह न करते हुए साहित्यकार को निरंतर लेखन कार्य में रत रहना चाहिए।

Q. जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं- कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर: कवि के अनुसार संसार में विभिन्न प्रकार के लोग रहते हैं। संसार में जहाँ लोगों के पास अन्न है, वहीं संसार में भूखे और गरीब लोग भी रहते हैं। कुछ लोग तो सभी प्रकार की सुख-सुविधाओं और वैभव से संपन्न होते हैं जबकि दूसरी ओर कुछ लोग दाने-दाने के लिए भी मोहताज होते हैं।

Q. 'मैं और, और जग और कहाँ का नाता' पंक्ति में और शब्द की विशेषता बताइए।

उत्तर:- किसी बात या शब्द पर जोर देने के लिए उसकी पुनरावृत्ति की जाती है। कवि स्वयं को समाज से बिलकुल भिन्न मानता है। उसका और समाज का परस्पर कोई संबंध नहीं है। इसीलिए कवि ने 'और' शब्द की तीन बार आवृत्ति की है।

Scanned with CamScanner

Q. शीतल वाणी में आग के होने का क्या अभिप्राय है?
→ यहाँ कवि का आग से अभिप्राय शक्ति से है। कवि की शीतल वाणी में आग होती है। कवि अपने काव्य में कोमलकांत माधुर्य गुण युक्त अलंकारों से सुसज्जित भाषा का प्रयोग करता है परंतु कवि की अभिव्यक्ति समाज में क्रांति एवं बदलाव लाने का कार्य करती है। इसी कारण कहा गया है कि कवि की कलम में तो तलवार से भी ज्यादा शक्ति होती है।

Q. बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे?
→ संध्या होते ही चिड़िया के बच्चों को आशा होती है कि उनकी माँ अभी उनके लिए भोजन लेकर घोंसले की ओर लौट रही है। इसलिए बच्चे अपने भोजन की तलाश तथा माँ के सुखद स्पर्श हेतु नीड़ों में झाँकते हैं।

Q. 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।' की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है?

→ 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है।' पंक्ति की बार-बार आवृत्ति करके कवि पाठकों को संदेश देना चाहता है कि समय बहुमूल्य है। बीता हुआ समय कभी वापिस नहीं आता। इसलिए मनुष्य को हमेशा कर्मरत रहते हुए अपनी मंजिल की तरफ बढ़ते रहना चाहिए। किसी पंक्ति की बारम्बार आवृत्ति से कविता में गेयता एवं मधुरता उत्पन्न हो जाती है और कविता में स्वर मैत्री भाव की सृष्टि होती है।